हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

वन विभाग की भूमि से कब्जा हटाने आई टीम का ग्रामीणों ने किया विरोध

संवाददाता ऋषिकेश। देहरादून वन प्रभाग की ऋषिकेश रेंज के अंतर्गत मनसा देवी स्थिति लालपानी बीट में वन भूमि पर अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि वन भूमि के सीमांकन से अलग विभाग कार्रवाई कर रहा है। मौके पर स्थिति तनावपूर्ण होने के बाद रेंज अधिकारी ने पुलिस और बड़कोट रेंज से टीम को मौके पर बुलाया है। चार घंटे बाद भी गुस्साए ग्रामीणों के आगे विभाग बेबस नजर आ रहा है। पिछले लंबे समय से वन भूमि पर निर्माण कार्य चल रहा है। मनसा देवी से सटे गुर्जर प्लाट के पास वन विभाग की टीम पूर्व में भी कार्रवाई करने आ चुकी है।

पांच सालों में 50 प्रतिशत बढ़े दुष्कर्म के मामले

संवाददाता देहरादून। प्रदेश में महिला सुरक्षा के दावे किए जाए रहे हैं, लेकिन महिला उत्पीड़न कम होने की बजाए बढ़ते जा रहे हैं। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले पांच सालों में दुष्कर्म के मामलों में करीब 50 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। वहीं महिला अपहरण व दहेज हत्या के मामले में बढ़े हैं। 2017 के दौरान प्रदेश में दुष्कर्म के 390 मामले सामने आए थे। वहीं 2021 में मामले बढ़कर 741 हो गए हैं। वहीं महिला अपहरण के मामले 2017 में 295 आए, जोकि 2021 में बढ़कर 370 हो चुके हैं।

तीन सौ सीसीटीवी कैमरा चेक करने के बाद शिकंजे में आए बदमाश

संवाददाता देहरादून। देहरादून जिले के सेलाकुई में ज्वेलर्स से लूट के मामले में पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाश लूट की घटना को अंजाम देने के लिए बिजनौर से आए थे और रेकी करने के बाद घटना को अंजाम दिया। वह गहने लूट कर फरार हो गए थे। एसएसपी जन्मेजय खंडूड़ी ने बताया कि 18 फरवरी को सेलाकुई स्थित वेलकम ज्वेलर्स से कुछ बदमाशों ने मुस्तकीम को घायल कर गहने लूट लिए थे।

धमाकेदार ऑफर, पुराने लाएं और नए कपड़े ले जाएं

संवाददाता देहरादून। बिग बाजार, भारत की पसंदीदा हाइपरमार्केट श्रृंखला प्रतिष्ठित द ग्रेट एक्सचेंज के साथ वापस आ गई है। बिग बाजार का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि वह अपने ग्राहकों को बेहतर जीवन शैली प्रदान करे। वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए, जहां ग्राहक घर पर अधिक समय बिता रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उत्पादों में भारी गिरावट आ रही है। इस अभियान के साथ, बिग बाजार उन्हें अपने घरेलू, फैशन और जीवन शैली को उन्नत करने के लिए अतिरिक्त छूट पर उत्पादों की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करेगा।

हम लगातार विदेश मंत्रालय के उच्च अधिकारियों के साथ संपर्क में: सीएम

चिंता

■ एनएसए अजीत डोभाल से मुख्यमंत्री धामी ने की बात

संवाददाता

देहरादून। रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद वहां स्थिति गंभीर बनी हुई है। जिन लोगों के स्वजन या बच्चे वहां फंसे हैं, वे काफी चिंतित हैं। रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच फंसे उत्तराखंडियों की मदद के लिए शासन प्रशासन के उच्चाधिकारी लगातार संपर्क में हैं। अधिकारी उनकी हर संभव मदद के लिए लगातार विदेश मंत्रालय के संपर्क में हैं। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कही है। उन्होंने कहा है कि उत्तराखंड के छात्र और अन्य लोग जो यूक्रेन में फंसे हैं, उनके लिए हम लगातार विदेश मंत्रालय के उच्च अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं। इसके लिए हमने एक नोडल अधिकारी को नियुक्त कर टोल फ्री नंबर 112 भी जारी किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार उत्तराखंड के लोगों की हर संभव मदद करेगी।

पुष्कर सिंह धामी ने यूक्रेन में रह रहे उत्तराखंड के लोगों की सुरक्षा के संबंध में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से फोन पर बात की। अजीत डोभाल ने कहा कि भारत सरकार यूक्रेन में रह रहे सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। देश वापस लौटने के इच्छुक भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए हर सम्भव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को यूक्रेन में रह रहे उत्तराखंड के छात्रों और अन्य लोगों की सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया।

वहीं मुख्यमंत्री धामी ने यूक्रेन में रह रहे उत्तराखंड के लोगों की सुरक्षा के संबंध में अधिकारियें के साथ समीक्षा बैठक भी की। उन्होंने अधिकारियों को विदेश मंत्रालय के लगातार सम्पर्क में रहने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने यूक्रेन में रह रहे राज्य के छात्रों और नागरिकों के परिजनों से भी लगातार सम्पर्क बनाएं रखने के आदेश दिए हैं।

यूक्रेन में सीमा पर इन टीमों से संपर्क कर सकते हैं भारतीय नागरिक

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भारत ने यूक्रेन के राष्ट्रपति को वहां फंसे 15 सौ भारतीय छात्रों की जानकारी दी है। ये छात्र यूक्रेन के विभिन्न इलाकों में फंसे हुए हैं। भारत ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा है। फंसे हुए छात्रों को खाना और पानी मुहैया कराया जा रहा है। यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को निकालने में सहायता के लिए हंग्री, पोलैंड, स्लोवाकिया और रोमानिया से विदेश मंत्रालय की टीमें यूक्रेन के साथ लगी सीमाओं के रास्ते पर हैं। यूक्रेन में सीमा के पास भारतीय नागरिक इन टीमों से भी संपर्क कर सकते हैं ।

वहीं फंसे हुए लोगों की सूचना देने के लिए पुलिस महानिरीक्षक पी. रेणुका देवी (मो. न. 7579278144) और पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार (मो. न. 983778889) को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। मुख्यमंत्री ने यूक्रेन में निवासरत लोगों के स्वजनों से भी फोन पर बात की है। मुख्यमंत्री ने उनसे धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

फंसे सभी छात्रों की सकुशल वापसी की मांग की: वहीं प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संघ ने सरकार से यूक्रेन में फंसे सभी छात्रों की सकुशल वापसी की मांग की है। प्रांतीय अध्यक्ष डाक्टर मनोज वर्मा का कहना है कि दून के कोरोनेशन अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ डाक्टर डीपी जोशी के पुत्र अक्षत जोशी, जिला अस्पताल रुद्रपुर में बाल रोग विशेषज्ञ डाक्टर एसके गोस्वामी की बेटी हर्षिता यूक्रेन में एमबीबीएस कर रहे हैं। पौड़ी के एसीएमओ एवं संगठन के महासचिव डा. रमेश कुंवर का भांजा सूर्यांश बिष्ट भी यूक्रेन में एमबीबीएस कर रहा है। जैसा उन्होंने बताया यूक्रेन में अनिश्चितता का माहौल है। फ्लाइट, परिवहन बंद और एटीएम ठप हो चुके हैं। हर तरफ अफरातफरी मची है और राशन–पानी के लिए भी बड़ी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। डाक्टर वर्मा ने कहा कि वर्तमान स्थिति में छात्रों की सुरक्षा एक बड़ी चिंता है। प्रदेश के समस्त चिकित्सक केंद्र व राज्य सरकार से मांग करते हैं कि छात्रों की वतन वापसी को प्रयास तेज किए जाएं। उन्हें जल्द सकुशल वापस लाया जाए।

यूक्रेन में फंसे 95 लोगों की जानकारी मिली

यूक्रेन में फंसे उत्तराखंड के लोगों के संबंध में पुलिस विभाग की ओर से जारी किए किए गए कंट्रोल रूम नंबर 112 व अन्य हेल्पलाइन नंबरों पर 95 शिकायतें प्राप्त हो गई हैं। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि यूक्रेन में फंसे अब तक 95 लोगों की जानकारी हमें मिल गई है। अन्य माध्यमों से भी यूक्रेन में फंसे लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

आठ और नौ मार्च को राजभवन में आयोजित होगा वसंतोत्सव

वसंतोत्सव

■ फूलों के प्रदर्शन के साथ ही गमलों पर भी होगा फोकस

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इसको ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने टिहरी को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल बनाने के लिए कवायद शुरू कर दी है। इसके तहत टिहरी झील में नए बोटिंग प्वाइंट से लेकर पर्यटकों के लिए कई तरह की सुविधाओं का यहां पर विकास किया जाएगा।

इस संबंध में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने टिहरी में विकास कार्यों को करने के लिए कसंटेंसी सर्विस के साथ बैठक की।

गढ़ी कैंट स्थित उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) के सभागार में आयोजित बैठक में कसंटेंसी सर्विस के प्रतिनिधि ने पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज के समक्ष विकास कार्यों की पूरी कार्यप्रणाली प्रस्तुत की। इसमें बताया गया कि जिले में पवित्र और धार्मिक स्थानों के साथ–साथ साहसिक पर्यटन स्थलों का विकास किया जाएगा। इसके साथ ही विदेशों की तरह ही टिहरी में होमस्टे, टिहरी दर्शन के लिए इलेक्ट्रिक बसों का संचालन, ध्यान उद्यान, मनोरंजन पार्क, स्पाइस पार्क समेत कई अन्य कार्य किए जाएंगे। इससे टिहरी में देश के साथ विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकेगा।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि पर्यटन उत्तराखंड की आर्थिकी का अहम जरिया है। पर्यटन प्रदेश के लाखों लोगों का रोजगार व आजिविका का साधन हैं। प्रदेश सरकार साहसिक पर्यटन, पर्यावरण पर्यटन, वेलनेस टूरिज्म, होम स्टे को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

ऐसे में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए टिहरी में विभिन्न विकास किए जाएंगे। इसके लिए विदेशी पर्यटन नीति के तहत टिहरी को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन हब बनाया जाएगा, जो भविष्य में पर्यटन विकास के लिहाज से अहम साबित होगा।

स्कूली बच्चों के लिए पेंटिग प्रतियोगिता भी

राज्यपाल ने निर्देश दिए हैं कि इस वर्ष वंसत उत्सव पर आईएचएम व जीएमवीएन के साथ ही राज्य के महिला स्वयं सहायता समूहों के सौजन्य से फूड कोर्ट स्थापित किए जाएं। इसमें राज्य के स्थानीय भोजन को वरीयता दी जाएगी। राज्यपाल ने कहा कि खाद्य फूलों के उत्पादन को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वसंत उत्सव में पाचं से 18 वर्ष आयु वर्ग के सभी स्कूली बच्चों के लिए पेंटिग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभिन्न अनाथालयों में रहने वाले बच्चों, दिव्यांग बच्चों तथा रैग पिकर्स बच्चों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा।

यूक्रेन में बसे उत्तराखंड के लोगों की सुरक्षा का जिम्मा उठाए उत्तराखंड सरकार'

संवाददाता 'देहरादून।' आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सिंह आनंद ने कहा कि पिछले 2 दिन से यूक्रेन में युद्ध के जो हालात हैं उन्हें देखते हुए वहां पर बसे उत्तराखंड के लोगों को वापस बुलाने का जिम्मा उत्तराखंड सरकार को उठाना चाहिए। रविंद्र सिंह आनंद ने कहा कि उत्तराखंड पुलिस द्वारा एक संदेश जारी किया गया जिसमें यह कहा गया है कि यूक्रेन में रह रहे लोगों की जानकारी उन तक उपलब्ध कराई जाए। परंतु हमारा यह कहना है कि लोग स्वयं यह जानकारी दें उससे पहले उत्तराखंड सरकार को इसकी जिम्मेदारी उठाते हुए दूतावासों से जानकारी निकाल कर वहां पर बसे लोगों से स्वयं संपर्क कर उनको वापस लाने का जिम्मा उठाना चाहिए। यही नहीं इस समय पर जब टिकटें 80 हजार और 100000 तक की हो रही है ऐसे में उन पर अतिरिक्त बोझ ना डालते हुए उत्तराखंड सरकार को चाहिए की उनके आने का सारा खर्चा भी सरकार स्वयं वहन करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।